# गाजर घास जागरूकता एवं उन्मूलन सप्ताह के तीसरा दिन

पंतनगर। 18 अगस्त 2025। विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा गाजर घास जागरूकता सप्ताह के तीसरे दिन ग्राम जयनगर नं. 4 (रूद्रपुर), जिला ऊधमसिंह नगर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिल्पा पटेल द्वारा किया गया। सभा के आरंभ में परियोजना के वरिष्ठ प्राध्यापक डा. तेज प्रताप ने किसानों को गाजर घास से फसलों, मनुष्यों, पशुओं तथा वातावरण को होने वाले नुकसान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। परियोजना अधिकारी डा. एस.पी. सिंह ने बताया कि गाजर घास मे फूल आने के उपरान्त इसका दुष्प्रभाव पशुओं एवं मनुष्यों के प्रति अधिक हो जाता है। अतः वर्षा ऋतु में फूल आने से पहले जड़ से उखाड़ कर इस घास को नष्ट कर देना चाहिए। डा. सिंह ने यह भी बताया कि गाजर घास को उखाड़ते समय दस्तानों का प्रयोग करना चाहिए जिससे इस घास से होने वाले त्वचा सम्बंधी रोग (डरमेटाइटिस), एग्जीमा, एलर्जी से बचा जा सके। अन्त में परियोजना अधिकारी डा. सिंह ने सभी किसानों एवं वैज्ञानिकों के साथ रैली निकालकर गाजर घास का उन्मूलन किया और गाजर घास नियंत्रित करने के लिए नारा लगाया 'हमने अब यह ठाना है गाजर घास मिटाना है। इसके बाद गाजर घास पर सस्य विज्ञान विभाग खरपतवार प्रबधन द्वारा बनायी गयी चल चित्र को दिखाया गया, जिसमें गाजर घास से होने वाली नुकसान तथा इनके नियंत्रण की विधियों के बारे में बताया गया, जिससे सभी किसानों ने बड़ी उत्सुकता से देखा एवं सीखा।

इस अवसर पर किसानों को विभिन्न फसलों में खरपतवारों के नियंत्रण हेतु भौतिक, यांत्रिक, जैविक, रसायनिक एवं एकीकृत खरपतवार प्रबंधन की विधियों पर प्रकाश डालते हुए प्रशिक्षण दिया गया। किसानों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का उचित जवाब देकर उनकी समस्याओं का समाधान किया गया। किसानों में नवीनतम शाकनाशियों का वितरण करते हुए उनके खरपतवारों के ऊपर होने वाले प्रभाव के बारे में भी जानकारी दी गई। सभा में गुरदयाल सिंह, सुक्खा सिंह, रणजीत सिंह, बालदेव यादव, रामअवध इत्यादि लगभग 80 किसान तथा खरपतवार प्रबंधन शोध परियोजना के हंसराज, धर्मेन्द्र कुमार, अनीता बिष्ट, शिल्पा पटेल, राजीव यादव आदि उपस्थित थे।